

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (' विराम चिह्न)

पुस्तक - वीवा हिंदी व्याकरण - 8

सुप्रभात प्यारे बच्चों !

आज हम कक्षा आठवीं की हिंदी की पुस्तक वीवा व्याकरण के पृष्ठ - 129 पर दिए विराम चिह्न का अध्ययन करेंगे।

बच्चों ! विराम का शाब्दिक अर्थ है रुकना या ठहरना। हम बोलते या लिखते समय वाक्यों को न तो लगातार (बिना रुके) बोलते हैं और न ही लिखते रहते हैं। कभी बीच-बीच में रुक-रुककर बोलते हैं तथा लेखन के समय भी वाक्यों के बीच-बीच में रुकते हैं। इस विराम को प्रकट करने के लिए कुछ चिह्नों को कुछ चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, जिन्हें ' विराम - चिह्न ' कहते हैं।

वाक्यों के भावों को स्पष्ट करने के लिए लिखित भाषा में जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें ' विराम चिह्न '

विराम चिह्नों का प्रयोग किए जाने या सही प्रयोग न किए जाने पर वाक्य का अर्थ स्पष्ट नहीं हो पाता और कभी-कभी तो अर्थ का अनर्थ भी हो जाता है; जैसे -

माँ ने भीता से कहा - " चित्रा को जगाओ मत, सोने दो। " (न जगाने का निर्देश)

माँ ने भीता से कहा - " चित्रा को जगाओ, मत सोने दो। " (जगाने का निर्देश)

इस प्रकार बच्चों ! अल्प विराम (,) के प्रयोग ने वाक्य का अर्थ ही बदल दिया ; अतः स्पष्ट है कि वाक्य का सही (पृष्ठ - 1)

कक्षा-आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण (विराम चिह्न)

अर्थ स्पष्ट करने के लिए विराम चिह्नों का प्रयोग आवश्यक है
हिंदी में प्रयोग किए जाने वाले प्रमुख विराम चिह्न -

- | | |
|----------------------------|-------------------------------|
| 1. अल्प विराम (,) | 6. योजक (-) |
| 2. अर्द्ध विराम (;) | 7. निर्देशक चिह्न (—) |
| 3. पूर्ण विराम (.) | 8. उद्धरण चिह्न (" ", ' ') |
| 4. प्रश्नवाचक चिह्न (?) | 9. कोष्ठक ([] { } () []) |
| 5. विस्मयादिबोधक चिह्न (!) | 10. लाघव या संक्षेप चिह्न (o) |

आइए। इन्हें विस्तार से जानते हैं :-

1. अल्पविराम (Comma) (,) :- थोड़ी देर रुकने के लिए या इन स्थितियों में अल्पविराम का

प्रयोग किया जाता है -

- * वाक्य में आठ समान शब्दों या वाक्यों को अलग करने के लिए; जैसे - (i) गोपाल, मोहन, सोहन और प्रवीण पढ़ रहे हैं।

(ii) जो आलसी है, वह कभी सफल नहीं हो सकता।

- * युग्म शब्दों को अलग करने के लिए; जैसे - हानि-लाभ, जीवन-मरण सब ईश्वर के अधीन है।

- * वाक्य में आठ 'हाँ' या 'नहीं' के बाद; जैसे -

(i) हाँ, मैं भी आपके साथ चलूँगा।

(ii) नहीं, मैं आपके साथ नहीं जाऊँगा।

- * कभी-कभी संबोधन के परचात्र, विस्मयसूचक चिह्न की जगह अन्य अल्पविराम का प्रयोग भी होता है; जैसे - विद्यार्थियों, मन लगाकर पढ़ो।

- * किसी व्यक्ति द्वारा कहे गए कथन से पूर्व भी अल्पविराम का प्रयोग किया जाता है; जैसे -

शास्त्रीजी ने कहा, "जय जवान, जय किसान।"

(पृष्ठ-2)

कक्षा - आठवीं हिंदी व्याकरण (विरामचिह्न)
शिक्षिका - सुमन शर्मा

* पत्र एवं प्रार्थना पत्र में अभिवादन, समापन, पता तथा दिनांक लिखने में भी इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे- (i) आदरणीय मामाजी, (ii) आपका भानजा, (iii) 25 दिसंबर, 2022 (iv) 155, शांतिनिकेतन, जयपुर।

2. अर्द्ध विराम (Semi colon) (;) - जब वाक्य में अल्पविराम से कुछ अधिक और पूर्ण विराम से कम विराम लेना हो तो अर्द्ध विराम का प्रयोग किया जाता है; जैसे - राजनीति में आज जो मित्र है; कल वह शत्रु हो सकता है।

3. पूर्ण विराम (Full Stop) (.) - प्रश्नवाचक वाक्यों को छोड़कर शेष वाक्यों की समाप्ति पर पूर्ण विराम चिह्न लगाया जाता है; जैसे:-
बाबा साहब ने भारत के संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

4. प्रश्नवाचक चिह्न (Mark of Interrogation) (?) - प्रश्नसूचक वाक्यों के अंत में इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे:-
(i) पंकज कहाँ गया था? (ii) वह कविता किसने लिखी है?

5. विस्मयादिबोधक चिह्न (Mark of Exclamation) (!) -

आश्चर्य, घृणा, प्रसन्नता, दुःख आदि मनोभावों को प्रकट करने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे-
वाह! कितना सुंदर चित्र है।

कक्षा आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (विराम चिह्न)

6. योजक चिह्न (Hyphen) (—) — दो शब्द परस्पर संबंध स्पष्ट करने के लिए तथा उन्हें जोड़कर लिखने के लिए योजक चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे— (i) भारत-पाक युद्ध हुआ।
(ii) व्यापार में हानि-लाभ चलता रहता है।

7. निर्देशक चिह्न (Dash) (—) — कोई निर्देश या सूचना देने वाले वाक्य के बाद निर्देशक चिह्न लगाया जाता है; जैसे—
कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद हैं— अकर्मक और सकर्मक

8. कौष्ठक (Brackets) (()) — वाक्य के बीच में आरंभ शब्दों, पदों या वाक्यांशों का अर्थ स्पष्ट करने के लिए कौष्ठक का प्रयोग किया जाता है; जैसे—
(i) तुलसीदास (हिंदी के सर्वश्रेष्ठ कवि) द्वारा रचित रामचरितमानस प्रसिद्ध ग्रंथ है।
(ii) महाराज (क्रोधित होकर) — तुम्हें कड़ी सजा दी जाएगी।

9. उद्धरण चिह्न (Quotation marks) (" ") — उद्धरण चिह्न दो प्रकार के होते हैं —
बुकहरे उद्धरण चिह्न — (' ')
दोहरे उद्धरण चिह्न — (" ")

* किसी व्यक्ति के उपनाम, पुस्तकों के नाम आदि में बुकहरे उद्धरण चिह्न का प्रयोग होता है; जैसे संस्युक्तान्त्रिपाठी 'निराला'
(ii) 'कामायनी' जयशंकर प्रसाद की अमर कृति है।

* किसी व्यक्ति के कथन को मूल रूप से उद्धृत करने के लिए दोहरे उद्धरण चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे—
"नेता जी ने कहा, "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूंगा।"
(पृष्ठ-4)

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (विराम चिह्न)

10. लाघव या संक्षेप चिह्न (Sign of Abbreviation) (0) - किसी शब्द को

संक्षिप्त रूप से लिखने के लिए उस शब्द का पहला अक्षर लिखकर उसके आगे शून्य (0) लगा दिया जाता है; जैसे -

(i) डॉक्टर - डॉ० (ii) पंडित - पं० (iii) इसी - ई० ।

बच्चों! यह कार्य यहाँ समाप्त हुआ। आशा है सब विद्यार्थियों ने विराम चिह्नों की भली-भाँति समझ लिया होगा। अब मैं आपको गृहकार्य करने को दे रही हूँ।

गृहकार्य:- निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करके वाक्य पुनः लिखो:-

- (i) वह कब आया
- (ii) वह मोहन का कोई मुकाबला नहीं
- (iii) आज हम दाल रौंटी खाएँगे
- (iv) सीता बहुत अच्छा गाती है
- (v) अतिथि आ गए वे शीघ्र ही चले जाएँगे
- (vi) लाल बहादुर शास्त्री ने कहा था जयजवान जय किसान
- (vii) हानि लाभ जीवन मरण यश अपयश सभी ईश्वर के हाथ हैं
- (viii) पं० सूर्यकांत त्रिपाठी निराला हिंदी के अमर कवि हैं
- (ix) रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद हैं सरल वाक्य संयुक्त वाक्य मिश्र वाक्य
- (x) कठिन परिश्रम करो परीक्षा निकट है

सब बच्चे करार गए कार्य को अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-5)